मोहयाल मित्र

■ *संपादकीय*

मोहयाल ध्वज फहराते रहेंगे युवा मोहयाल

■ डॉ. अशोक लव

समाज और देश के निर्माण में सबसे बड़ा योगदान युवाओं का होता है। युवाओं के हृदय में स्वप्न तैरते हैं। वे कल्पनाओं के सुंदर रूपों को साकार रूप प्रदान करने के लिए समर्पित भाव से जुट जाते हैं। वे उत्साही होते हैं, उनमें कुछ नया, कुछ अद्भुत करने की उमंगें लहराती रहती हैं। किसी भी देश, किसी भी समाज का इतिहास उठाकर देख लें, युवाओं ने ही उनके इतिहास को बदला है। आज भी युवा ही समाज के रूप के परिवर्तित करने में संलग्न हैं। नित नई टेक्नॉलॉजी का आविष्कार हो रहा है, इन नई–नई तकनीकों से समाज दिन–प्रतिदिन नया रूप लेता जा रहा है।

मोहयालों का इतिहास ले लें। हम अतीत में अधिक दूर तक नहीं जाना चाहते। वैदिक और पौराणिक युग को किसी ने देखा नहीं है, उस युग के साथ अपने संबंध जोड़ना सुखद लगता है। मोहयालों के वर्तमान इतिहास को सन् 1891 में कुछ युवाओं ने ही लिखना शुरू किया। इन युवाओं ने 'मोहयाल मित्तर सभा' की स्थापना की, 'मोहयाल मित्तर' पत्रिका का प्रकाशन आरम्भ किया। उन युवाओं को नमन, जिन्होंने मोहयालों को एकजुट करने का संकल्प लिया। वे धन्य थे।

अब हम वर्तमान युग को देखें। भारत विभाजन ने मोहयालों के गढ़ तोड़ दिए। मोहयाल विभिन्न नगरों में बिखर गए। मोहयाल संस्कृति के समदा बिखराव का संकट आ गया 'जनरल मोहयाल सभा' का अस्तित्व खतरे में पड़ गया। संकट की इस बेला में 'जनरल मोहयाल सभा' का नेतृत्व एक युवा मोहयाल ने संभाला।

गीतकार साहिर लुधियानवी की पंक्तियाँ हैं–

हर एक तलाश के रास्ते में, मुश्किलें हैं मगर
हर एक तलाश, मुरादों के रंग लाती है
हज़ारों चाँद–सितारों का खून होता है,
तब एक सुबह, फ़िज़ाओं पर मुस्कराती है।

मोहयालों की फ़िज़ाओं पर, मुस्कराती सुबह के रूप में, युवा मोहयाल रायज़ादा बी.डी. बाली नई रोशनी बनकर आए। उनके आगमन के पश्चात मोहयाल संस्कृति का 'पुनर्जागरण–काल' आरंभ हुआ। युवाओं के स्वप्न, युवाओं की संकल्प–शक्ति, युवाओं की अपनी सांस्कृति विरासत को सुरक्षित रखने की भावना और युवाओं की सुंदर जगमगाते भविष्य की परिकल्पना–इन सबको यदि किसी एक व्यक्ति में ही देखना हो तो वे हैं रायज़ादा बी.डी. बाली। उनके इन्हीं गुणों के कारण 'मोहयाल समाज' ने उन्हें 'मोहयाल रत्न' से सम्मानित किया। युवा क्या नहीं कर सकते, इसके जीवंत प्रमाण हैं, रायज़ादा बी.डी. बाली।

युवाओं को अपना आदर्श (Role Model) तलाश करने के लिए कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। उनके सामने रायज़ादा बी.डी. बाली द्वारा किए कार्य हैं, जिनसे वे प्रेरणा लेकर अपने जीवन को दिशा दे सकते हैं।

युवा एक बार निर्माण के मार्ग पर चल पड़ें तो मार्ग में कितनी ही कठिनाइयाँ आएँ वे परवाह नहीं करते।

कदम–कदम पर चट्टानें, खड़ी रहें लेकिन
जो चल निकले हैं दरिया, तो फिर नहीं रुकते
हवाएँ कितनी भी टकराएँ, आँधियाँ बनकर
मगर, घटाओं के परचम भी नहीं झुकते।

'जनरल मोहयाल सभा' के परचम को, मोहयाल ध्वज को लहराते रहने का संकल्प लिए रायज़ादा बी.डी. बाली चल पड़े। हम भी उनके साथ चल पड़े और चल रहे हैं। उनके साथ युवा और अन्य मोहयाल जुड़ते चले गए। युवा क्या कर सकते हैं, 'जनरल मोहयाल सभा' द्वारा प्राप्त की उपलब्धियाँ इसके प्रमाण हैं। वर्तमान युवा पीढ़ी को अपनी सही सोच और अपने समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा ग्रहण करने के लिए 'जनरल मोहयाल सभा' के गत लगभग तीस वर्षों के कार्यों को देखना चाहिए। स्वयं चिंतन करना चाहिए। सकारात्मक सोच बनानी चाहिए। उनके समक्ष मोहयाल आश्रम हरिद्वार हैं, मोहयाल फ़ाउंडेशन है, मोहयाल भवन इंद्रपुरी है, मोहयाल आश्रम वृंदावन और मोहयाल आश्रम गोवर्धन (निर्माणाधीन) हैं। विभिन्न नगरों के मोहयाल भवन हैं। 'जनरल मोहयाल सभा' द्वारा संचालित तकनीकी संस्थान 'मेरिट' है। समाज सेवा के कार्य हैं। जी.एम.एस. प्रति माह विधवाओं की आर्थिक सहायता की जाती है, ज़रूरतमंदों की आर्थिक सहायता की जाती है। विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए अनुदान दिया जाता है। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' प्रदान किया जाता है। रिश्ते–नाते कराने के 'मैट्रीमोनियल मेले' आयोजित किए जाते हैं। युवा कैंप लगाए जाते हैं।

'जनरल मोहयाल सभा' निरंतर गतिशील संस्था है क्योंकि इसके साथ

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

युवा–पीढ़ी जुड़ती चली जा रही है। विभिन्न नगरों की 'लोकल मोहयाल सभाएँ' युवाओं को अपने साथ जोड़े रखने के लिए 'युवा विंग' के माध्यम से कार्य कर रही हैं।

मोहयाल संस्कृति इसलिए जीवित है और जीवित रहेगी क्योंकि इसके साथ युवा जुड़े रहते हैं। एक पीढ़ी अगली पीढ़ी के अपनी परंपराओं और रीति–रिवाजों को विरासत में देती जा रही है। विभिन्न मंचों के माध्यम से युवा मोहयाल एक–दूसरे से सवांद कर रहे हैं। इंटरनेट की सामाजिक साइट्ज़ पर मोहयाल आपस में जुड़े हुए हैं। युवाओं का यह आपसी जुड़ाव आवश्यक है। इसके साथ–साथ उन्हें सतर्क भी रहना चाहिए। जिस प्रकार हमें अपने परिवारों और अपने बुज़ुर्गों पर गर्व होता है, अपने पूर्वजों पर गर्व होता है, उसी प्रकार हमें 'जनरल मोहयाल सभा' पर गर्व होना चाहिए क्योंकि यह हमारे दूरदर्शी विद्वान और महान मोहयालों द्वारा स्थापित संस्था है। इसका वर्तमान बहुत ही सुलझे हुए, समर्पित और प्रेरणादायक कर्मठ मोहयाल रायज़ादा बी. डी. बाली के हाथों में सुरक्षित है।

युवा मोहयालों को आगे आना चाहिए। मोहयाल संस्कृति को अगली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुँचाने के लिए जी–जान से कार्य करने चाहिए। अपनी व्यस्त जीवन शैली से कुछ समय अपने समाज को भी देना चाहिए।

जो अपने खून को पानी बना नहीं सकते,
वह ज़िंदगी में नया रंग ला नहीं सकते,
जो रास्तों के अंधेरों से हार जाते हैं,
वह मंजिल के उजालों को पा नहीं सकते।

अपनी मंजिल के उजालों को पाने के लिए पसीना बहाना पड़ता है।

'जनरल मोहयाल सभा' उस माँ के समान है जिसका स्नेह प्रत्येक मोहयाल का यह कर्त्तव्य हो जाता है कि वह इसकी आन–बान–शान बनाए रखे। जिस प्रकार हम अपनी माँ के विरुद्ध एक शब्द नहीं सुन सकते, युवाओं को चाहिए कि वे 'जनरल मोहयाल सभा' के विरुद्ध भी एक शब्द न सुनें।

युवा प्रत्येक समाज की धड़कन होते हैं। 'जनरल मोहयाल सभा' की ओर से हमने हरिद्वार में युवा–सम्मेलन आयोजित किए। उस समय जो युवा इनमें आए, आज वे मोहयाल गतिविधियों की मुख्य–धारा में सक्रिय हैं। अपने–अपने नगरों की मोहयाल सभाओं के पदाधिकारी हैं। उनमें से श्री पुष्प बाली जैसे युवाओं के रोल मॉडल हैं। श्री पुष्प बाली ने जालंधर में 'जनरल मोहयाल सभा' की ओर से युवा–सम्मेलन का ऐतिहासिक आयोजन किया था। आज हम गर्व से कह सकते हैं कि देश के विभिन्न अंचलों में समर्पित भाव से, मोहयाली भावना का ध्वज फहराने वाले युवाओं की प्रेरक शक्ति 'जनरल मोहयाल सभा' ही रही है।

मोहयालों युवाओं को सतर्क और सचेत रहना चाहिए। प्रत्येक समाज में उन्हें गुमराह करने वाली शक्तियाँ भी सक्रिय रहती हैं। सच्चा युवा वह है जो किसी के बहावे में नहीं आता। वह अपना जीवन–मार्ग स्वयं बनाता है। वह अपनी आँखों से देखता है, अपने कानों से सुनता है, अपनी बुद्धि का प्रयोग करता है, अपने विवेक से निर्णय लेता है। 'जनरल मोहयाल सभा' ने जिस गति से प्रगति और विकास किया है, वह अतुलनीय है।

हम देखते थे समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने अपनी–अपनी जातियों, अपने–अपने क्षेत्रों के आधार पर धर्मशालाएँ, आश्रम, मंदिर, स्कूल और कॉलेज आदि बनवाए थे। मोहयालों के पास ऐसा कुछ भी न था। आज स्थिति परिवर्तित हो गई है। 'जनरल मोहयाल सभा' ने जब हरिद्वार में मोहयाल आश्रम बनाया तो सहसा विश्व भर के मोहयालों का सिर गर्व से ऊँचा हो गया। सबको गर्व हुआ कि इस धरती पर मोहयालों का अपना इतना सुंदर और भव्य आश्रम है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि थी।

युवाओं को चाहिए कि वे और सक्रिय हों। 'जनरल मोहयाल सभा' के कदम के साथ, कदम मिलाकर चलें। स्वयं पर गर्व करें कि हम ब्राह्मण हैं, विद्वान हैं और योद्धा हैं। प्रत्येक मोहयाल में महान ऋषियों का रक्त प्रवाहित हो रहा है। हमें अपने सुसंस्कारों पर गर्व होना चाहिए जो हमें विरासत में मिले हैं। हमें अपने परिवारों पर गर्व होना चाहिए जिनके बीच पलकर हम बड़े हुए हैं। हम बड़े–बड़े स्वप्न देखें और फिर उन्हें पूरा करने में लग जाएँ। जीवन के लक्ष्य महान होने चाहिएँ। महान लक्ष्य ही किसी व्यक्ति और जाति को महान बनाते हैं। कवि रामनरेश त्रिपाठी ने इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की प्रेरणा यूँ दी है–

यदि रक्त बूँद भर भी होगा, कहीं बदन में,
नस भी एक फड़कती होगी, समस्त तन में,
हर एक साँस पर हम, आगे बढ़ते चलेंगे,
वह लक्ष्य सामने है, पीछे नहीं हटेंगे।

सुपर मिल्क ने खन्ना शहर का गौरव बढ़ाया

मंडी गोबिंदगढ़ में स्थित चाणक्य डेयरी प्रोडक्ट्स लि. (सुपर मिल्क) के प्रबंध निदेशक विनोद कुमार दत्त एवं उनकी धर्मपत्नी संगीता दत्त जोकि कम्पनी की अति प्रबंध निदेशक हैं, को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा वर्ष 2012 के (प्रथम श्रेणी) राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दत्त को यह पुरस्कार मध्यम उद्योग इकाई में विशिष्ट योगदान के लिए दिया गया जबकि संगीता दत्त को यह पुरस्कार लीन मैन्युफैक्चरिंग तकनीक को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया गया।

दत्त ने बताया कि उद्योग इकाई में राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार प्राप्त करने के लिए पूरे समूह को एकजुट होकर अपनी क्षमताओं से अधिक कार्य करना पड़ता है। संगीता दत्त ने बताया कि हम मार्कीट में उच्चतम क्वालिटी का दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थ सप्लाई करने के लिए वचनबद्ध हैं। सुपर मिल्क ने प्रबंध निदेशक विनोद कुमार दत्त एवं संगीता दत्त के कुशल नेतृत्व में समाज भलाई के क्षेत्र में भी दत्त परिवार हमेशा से ही अग्रणी रहा है। जहाँ इस परिवार ने श्री विजय चोपड़ा जी के प्रेरणा के चलते पंजाब केसरी ग्रुप द्वारा चलाए गए सभी राहत कोष में अपना योगदान डाला है वहीं पंजाब केसरी ग्रुप द्वारा चलाए जा रहे उत्तराखंड रिलीफ फंड में भी विनोद दत्त ने सुपर मिल्क परिवार की ओर से ग्रुप को लाखों रुपयों का ड्राफ्ट दिया। इसके अलावा सुपर मिल्क द्वारा जरूरतमंद लड़कियों की शादी, रक्तदान कैंप लगाना व मेधावी छात्र–छात्राओं को वजीफे देना, आर्थिक तंगी का शिकार हुए बच्चों को मुफ्त शिक्षा दिलवाना भी उनका दिनचर्या में शामिल है।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जनरल मोहयाल सभा द्वारा आयोजित यूथ कैंप

मोहयाल युवा संगोष्ठी (मोहयाल यूथ सेमीनार) 25-26 मई 2002

हरिद्वार में मोहयाल आश्रम बनने के बाद सबसे पहला कार्यक्रम 'मोहयाल यूथ' सेमीनार था। इसका आयोजन डॉ. अशोक लव ने किया था। आयोजन–समिति के सदस्य थे– सर्वश्री अशवनी बाली, शशी छिब्बर, अशोक छिब्बर, ऋत मोहन और संदीप बाली।

जनरल मोहयाल सभा के अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा–"आज के ऐसे उत्साही युवा मोहयाल तैयार करें जिनमें मोहयाल बिरादरी को उत्थान की ओर ले जाने की

क्षमता और विशिष्टता हो। वे किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए सक्षम हों। उनमें एकता और नैतिकता की श्रेष्ठ भावना हो। आज के तेज़ी से विकास कर रहे समाज के लिए यह बहुत ज़रूरी है। यह सेमीनार बिरादरी के युवाओं को समर्पित है। भविष्य आपका है। आपने और केवल आपने ही अपने काम के क्षेत्रों और कार्यों को चुनना है जिससे जीवन अर्थपूर्ण और उद्देश्यपूर्ण हो सके।"

यूथ सेमीनार के संयोजक डॉ. अशोक लव ने युवा प्रतिनिधियों को संबोधित किया, "प्रत्येक समाज अपनी संस्कृति के बल पर जीवित रहता है। हमें अपनी मोहयाल संस्कृति पर गर्व है, जिसने आज भी हमें एक–दूसरे के साथ जोड़ा हुआ है। हमारे समक्ष अनेक चुनौतियाँ हैं। आइए, इनका सामना करने के लिए एकजुट हों। यहाँ उपस्थित प्रत्येक युवा नया संकल्प लेकर जाए। वह अपने–अपने क्षेत्र में मोहयाली का अलख जगा दो। अकेले विवेकानंद ने संसार में भारतीय संस्कृति और वैदिक धर्म के झंडे गाड़ दिए थे। हम यहाँ से ऐसी ही ऊर्जा लेकर लौटें।"

इस सेमीनार में युवाओं को चार समूहों में बाँट दिया था जिनका संयोजन श्री शशी छिब्बर ने किया था। प्रत्येक समूह ने निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की थी–

1. मोहयाल परंपराओं को दृष्टिगत रखते हुए युवा मोहयालों मोहयाल बिरादरी की गतिविधियों में किस तरह शामिल करें। (ग्रुप–आब्ज़र्वर–श्री शशी छिब्बर, रिपोर्ट प्रस्तुतकर्ता–श्री वैभव छिब्बर)

2. युवाओं का अपनी मोहयाल सभाओं और अन्य युवा मोहयाल सभाओं तथा जनरल मोहयाल सभा के मध्य संवाद स्थापित करना। (ग्रुप–आब्ज़र्वर–श्री ऋत मोहन, रिपोर्ट प्रस्तुतकर्ता–श्री पुष्प बाली)

3. रिश्ते–नाते, विवाह–संबंधों और सामाजिक कार्यों में युवा मोहयालों की भूमिका (ग्रुप–आब्ज़र्वर–श्री अशवनी बाली, रिपोर्ट प्रस्तुतकर्ता–श्री हरबीर बाली)

4. शिक्षा और बेरोज़गारी की समस्या तथा युवा मोहयाल। (ग्रुप–आब्ज़र्वर–श्री अशोक छिब्बर, रिपोर्ट प्रस्तुतकर्ता–श्री अभिषेक छिब्बर)

मोहयाल यूथ सेमीनार में सक्रिय भाग लेने वाले अन्य उल्लेखनीय युवा थे– श्री मुनीश बाली (लुधियाना), श्री जतिंदर मोहन, श्री नरेंद्र छिब्बर, श्री जतेंद्र छिब्बर (पानीपत), श्रीमती सुमन दत्ता, शशी मेहता, श्रीमती मीना वैद (रोहतक), श्रीमती प्रीति मोहन (हैदराबाद), श्रीमती पल्लवी दत्ता (रोहिणी), श्री सुनील मेहता (कोटा), श्री रमेश बाली (जनकपुरी), श्री रूपेश कुमार बाली, श्री नवदीप दत्ता (अंबाला), विकास बाली (चंडीगढ़), श्री नरेश दत्ता (रोहिणी), डॉ. एस.के. वैद (रोहतक), पूर्णिमा बाली, रेणु छिब्बर, शालू छिब्बर (कृष्णानगर, दिल्ली), श्री अशोक कुमार दत्ता, श्री पवन बाली (जालंधर), श्री संजीव मेहता छिब्बर (मेरठ), श्री विक्रांत मोहन (हैदराबाद), श्री योगेश छिब्बर (सहारनपुर), श्री हरीश बाली (नौएडा), भाई प्रेमसागर छिब्बर (लखीमपुर खीरी)। जनरल मोहयाल सभा के पदाधिकारियों– मेजर एस.एस. दत्ता, मेहता ओ.पी. मोहन, श्री एन.डी. दत्ता और श्री एस.एन. दत्ता ने भी इसमें सक्रिय भाग लिया।

Mohyal Youth Camp 24-25 December 2005 (Chandigarh) News published in Mohyal Mitter (Feb. 2006)

"...The next day, 25th December 2005... All were awaiting of GMS President Rzd. B.D. Bali who reached with Shri O.P. Mohan, Sh. S.N. Dutta and Shri D.V. Mohan. Shri R.P. Bali President MS Chandigarh requested Rzd. B.D. Bali to perform dedication ceremony of Bhawan building. The inauguration of a few rooms was also performed with cutting of tape."

Cultural programme, right seeing and camp-fire were other attractions.

Youth Affairs Secy. Yogesh Mehta moved a resulation which was adopted unanimously:

"GMS expresses its satisfaction at the valiant efforts put in by Mr. Yogesh Mehta, Sh. Ashwani Bali, Mr. Vikas Bali and Sh. Pushp Bali who were busy since September last in organizing the camp."

मोहयाल यूथ कैंप जालंधर (25-26 नवंबर 2007)

मोहयाल यूथ कैंप का संयोजन श्री पुष्प बाली ने देवी तालाब मंदिर परिसर, जालंधर में किया। इस अवसर पर रायज़ादा बी.डी. बाली ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, "इस यूथ कैंप में मेरी और मेरे साथियों की भूमिका कम है। युवाओं की अधिक है। वे काम करेंगे और हम देखेंगे। आने वाला समय इनका है। मैंने कई बिरादरियाँ देखी हैं। मोहयालों जैसी बिरादरी आपको मिलेगी नहीं। ऐसी कोई बिरादरी नहीं है जिसमें हर–कोई एक–दूसरे का रिश्तेदार है। दुनिया के किसी कोने में चले जाएँ जब मोहयाल मिल जाते हैं तो एक–दूसरे के साथ गर्म जोशी से मिलते हैं। हमारी संस्कृति आगे

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

तक सुरक्षित रहे इसके बारे में आपने सोचना है।" (मोहयाल मित्र, दिसंबर–2007)

श्री पुष्प बाली ने स्वागत भाषण में कहा, "हमें जी.एम.एस. पर गर्व है। हम रायज़ादा बी.डी. बाली जी के आभारी हैं जिन्होंने जालंधर में यूथ कैंप करने की स्वीकृति दी। इससे जालंधर ही नहीं आसपास के शहरों में हलचल हो गई है। हम देश के कोने–कोने से मोहयाल भाई–बहनों का स्वागत करते हैं।"

कार्यक्रम संचालन डॉ. अशोक लव ने किया। उन्होंने कहा, "वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों में युवा मोहयालों को संगठित करना बहुत जरूरी है। जनरल मोहयाल सभा इस दिशा में गंभीरतापूर्वक कार्य कर रही है।"

डॉ. अशोक लव ने उपस्थित युवाओं को चार विषय दिए और उनसे अनुरोध किया कि वे जिस विषय पर चर्चा करना चाहें, उस ग्रुप में चले जाएँ। ये विषय थे–

1. युवाओं की जनरल मोहयाल सभा से उपेक्षाएँ।

2. स्थानीय मोहयाल सभाओं की युवाओं को सशक्तिकरण करने में भूमिका।

3. युवाओं में मोहयाली संस्कृति का भाव कैसे जाग्रत करें।

4. युवा, मोहयाल उद्योगपतियों से किस रूप में मार्गदर्शन या सहयोग चाहते हैं।

इन विषयों पर चर्चा हुई और टीम लीडर्ज़ ने रिपोर्ट प्रस्तुत की।

ग्रुप–एक : श्री एम.बी. बाली और गौतम मोहन

ग्रुप–दो : श्री राजेंद्र मेहता (लौ)

ग्रुप–तीन : श्री विकास बाली, श्री विमल बाली

ग्रुप–चार : श्री नवदीप दत्ता।

इस यूथ कैंप के आयोजन में श्री योगेश मेहता, श्री अशोक कुमार दत्ता, श्री पवन बाली, श्री अशवनी बाली और अशवनी बख्शी ने सक्रिय सहयोग किया। इसमें जी.एम.एस. के अन्य पदाधिकारी–श्री एन.डी. दत्ता, श्री पी.एल. बाली, श्री डी.वी. मोहन, श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, श्री जे.पी. मेहता भी उपस्थित थे। श्री राजेश्वर चौधरी और श्री एस.के. दत्ता का मार्गदर्शन मिला। अत्यंत प्रभावशाली सांस्कृति कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

मोहयाल यूथ कैंप देहरादून (2-3 अक्टूबर 2009)

जनरल मोहयाल सभा की ओर से 2 और 3 अक्टूबर को यूथ कैंप का आयोजन मोहयाल सभा देहरादून के साथ मिलकर किया गया। श्री योगेश मेहता और श्री अशवनी बाली ने इसका संयोजन किया। इसके मुख्य–अतिथि श्री पी.के. दत्ता थे। इसमें श्री एस.के. छिब्बर (पूर्व उपराज्यपाल) तथा जीएमएस के पदाधिकारियों–मेहता ओ.पी. मोहन, श्री डी.वी. मोहन, श्री बी.एल. छिब्बर, श्री सुशील कुमार छिब्बर, श्री जे.पी. मेहता, श्री अशवनी बक्शी, श्री एन.डी. दत्ता आदि ने भाग लिया।

रायज़ादा बी.डी. बाली ने युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जनरल मोहयाल सभा ने आश्रम, भवन और अनेक कार्य किए हैं। अभी बहुत कुछ करना बाकी है। हम एक करोड़ का एक फंड बना रहे हैं जिसके द्वारा मोहयाल बच्चों को छात्रवृत्तियाँ और शिक्षा–ऋण दिया जाएगा। यह योग्यता और आर्थिक ज़रूरत पर निर्भर करेगा। यह उच्च शिक्षा के लिए दिया जाएगा।

मुख्य–अतिथि श्री पी.के. दत्ता ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में एक बालक छिपा रहता है। प्रत्येक व्यक्ति में अच्छाइयाँ होती हैं और दिव्यता होती है। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों का वर्णन किया और अपने संघर्षों से सफलता के शिखर तक पहुँचने के विषय में बताया।

इसमें डॉ. रतन कुमार दत्ता, मेजर जनरल के.के. बक्शी, श्री अशोक छिब्बर, श्री एस.एन. दत्ता, श्री वैभव छिब्बर, श्री राजीव दत्ता, श्री लाल मेहता, श्रीमती सुलेखा दत्ता, श्रीमती सुनीता छिब्बर, श्री एन.के. दत्ता आदि ने सक्रिय योगदान किया।

युवाओं और अन्य प्रतिनिधियों को चार समूहों में बाँटकर निम्नलिखित विषयों पर चर्चा कराई गई–

1. स्थानीय सभाओं में युवाओं की भूमिका। रिपोर्ट प्रस्तुति–श्री नवदीप दत्ता।

2. व्यावसायिक क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए युवाओं की जनरल मोहयाल सभा से अपेक्षा। रिपोर्ट प्रस्तुति–श्री कमल बाली और राधिका बाली।

3. बेरोज़गारी की स्थिति का सामना करने के लिए युवाओं की जी.एम.एस. से अपेक्षाएँ। रिपोर्ट प्रस्तुति–श्री ध्रुव दत्ता।

4. जनरल मोहयाल सभा और लोकल सभाओं से युवा कैसे सहयोग पाएँ? रिपोर्ट प्रस्तुति–सुश्री नेहा मेहता।

श्री अभिषेक दत्ता, श्री अशोक छिब्बर, सुश्री साक्षी मेहता ने चर्चाओं में भाग लिया। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। (मोहयाल मित्र में प्रकाशित समाचारों से उद्धृत)

आन्या दत्ता को बधाई

दिनांक 1.03.2014 को आन्या दत्ता पुत्र श्रीमती पूजा एवं धीरज दत्ता पौत्री स्व. श्रीमती प्रेमलता दत्ता एवं श्री सत्यप्रकाश दत्ता (आगरा) का छठवाँ जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के साथ सभी परिवार वालों व आन्या के सभी दोस्तों के साथ मनाया गया। इस जन्मदिन के शुभ अवसर पर आन्या के सभी दोस्तों व अन्य ने तरह–तरह के खेल खेल कर खूब मनोरंजन किया और उसके बाद देर रात तक डांस पार्टी का मजा लिया और स्वादिष्ट खाने का आनन्द उठाया।

इस शुभ अवसर पर आन्या की बुआओं व अन्य रिश्तेदारों ने आन्या को शुभ कामनाएं भेजी। इस उपलक्ष्य पर आन्या के दादा जी ने व आन्या के माता–पिता ने मोहयाल सभा आगरा व जीएमएस को 100–100 रुपए शिक्षा निधि में दान किए।

–धीरज दत्ता, आगरा मो. 9719005532

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाली यात्रा श्री कटास राज (चकवाल)

दिनांक 24.02.2014 को भारत के भिन्न–भिन्न प्रांतों से 157 स्त्री पुरूषों का एक जत्था अमृतसर दुरगियाना मन्दिर पहुँचा और वहाँ पर पूजा अर्चना के पश्चात 25.02.2014 को बागा बार्डर के रास्ते गुरूद्वारा डेरा साहिब लाहौर पहुँचा यह गुरूद्वारा पाँचवीं पातशाही श्री गुरू अर्जुन देव जी का वह स्थान है जहाँ पर उनको गर्म तवे पर बैठा कर शहीद किया गया था महाराजा रणजीत सिंह जी की समाधी भी इसी गुरूद्वारे में है।

26.02.204 को डीलक्स बसों द्वारा श्री कटास राज ले जाया गया इस जत्थे में 10 मोहयाल भी थे जिनके नाम इस प्रकार हैं– 1. श्री

ओ.पी. मोहन जी वरिष्ठ उपप्रधान जीएमएस दिल्ली इनकी रहनमाई में ही यह मोहयाली जत्था इस पवित्र यात्रा पर गया 2. मेहता विपिन मोहन प्रधान मोहयाल सभा यमुना नगर एवम् कार्यकारिणी सदस्य जीएमएस 3. मेहता राकेश छिब्बर जिनका गांव (दुरमियाल) कटासराज से लगभग डेढ़ किमी. है 4. दर्शनलाल बाली भूतपूर्व प्रधान मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप एवं भूतपूर्व सदस्य जी.एम.एस. 5. श्रीमती राज बाली धर्मपत्नी दर्शनलाल बाली जिनका जन्म एवं परवरिश चकवाल शहर में हुई थी 6. बक्शी नन्दलाल भिमवाल भूतपूर्व सेक्रेटरी मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप 7. श्रीमती शशी बाला धर्मपत्नी बक्शी नन्दलाल भिमवाल 8. श्री पवन कुमार छिब्बर 9. उनकी धर्मपत्नी नीलम छिब्बर दोनों फगवाड़ा से 10. श्री विपल कुमार दत्ता फाजिलका से इन सब मोहयालों का संगठन एवंम् एकता ही सारे जत्थे में काबले तारीफ थी।

श्री ओ.पी. मोहन क्योंकि पिंड दादनखान (जिला जेहलम) से थे इसलिए वहां से जनाब मजीद राजा मिलने आए थे। मेरी तालीम और परवरिश खास जेहलम शहर से थी मुझे मिलने जनाब तायर अकरम अपने पूरे परिवार के साथ मिलने आए। मेरी धर्मपत्नी चकवाल से थी उसको वहां का पुलिस इन्सपेक्टर जनाब मलिक मुहम्मद हनीफ मिलने आया जो मेरी इच्छा अनुसार वहां से चौंगा (वहां की पहाड़ी सब्जी) लेकर आया कहने का भाव यह था कि जो भी जिसको मिलने आया उसके लिए फल और वस्त्र लेकर आया कोई भी खाली हाथ नहीं आया। वहां से नजदीक गावं करियाला है जहां पर भाई मतिदास एवम् बाबा प्रागा जी की थड़ीयां है वहां से आए एक पुलिस मुलाजिम लियाकत अली के हाथ मैंने भाई रविन्द्र छिब्बर (सुपुत्र स्व. भाई जगत सिंह छिब्बर) जो कि उन थड़ीयों की देखभाल करता है को संदेशा भेजकर बुलावाया यह रिश्ते में भाई मंगल सैन जी छिब्बर अपने पूरे परिवार के साथ हमें मिलने आए और मैंने सब मोहयालों से मिलवा कर उनकी ग्रुप फोटो भी ली जो में साथ भेज रहा हूँ। हम सबने कटासराज में शिवरात्री और अमावस के दोनों दिनों में उस पवित्र अमर कुण्ड में अशनान करने के पश्चात् विधी पूर्वक पंडित जी द्वारा पाण्डवों द्वारा स्थापित शिवलिंग की पूजा अर्चना की जिन्होंने व्रत रखा था उनके लिए मेहता विपिन मोहन जी नजदीक के मशहूर कस्बे चौहा शहदन शाह से व्रत का सामान तथा फल लेकर आए।

1.03.2014 को वापिस लाहौर आ गए 2.02.2014 को मैं और श्री ओ.पी. मोहन जी, मेहता विपिन मोहन जी, मेहता राकेश एवम् बक्शी नन्दलाल भिमवाल जी हम पाँचो लाहौर का मोहयाल आश्रम ढूंडने निकले काफी पूछताछ तथा जदो जहद् के पश्चात हमने वह स्थान ढूंड लिया वह बिल्डिंग वैसी है पर उसके साथ आश्रम के खाली स्थान पर मकान बन गए है वहाँ के निवासियों ने बताया कि इस मौहल्ले का नाम अब भी मौहल्ला मोहयाल आश्रम है। मैं वहां की फोटो ले आया हूँ और मेहता विपिन मोहन जी उस आश्रम की एक ईट लेकर आए हैं जो मोहयाल भवन यमुनानगर में लगा दी जाएगी। कहने का मतलब यह है कि वहां पर सबने खुब आनन्द उठाया परन्तु थोड़ा सा दुःख यह था कि हम में से कोई भी अपने–अपने जन्म स्थानों के दर्शन न कर सका। यह सारा श्रेय मोहयालों का एवं यमुनानगर निवासियों का मेहता विपिन मोहन जी और मेहता राकेश छिब्बर जी को जाता है। इन सबकी देखभाल तथा इंतजाम का भी श्रेय इन दोनों को जाता है। मैं अपनी तथा वहाँ गई मोहयाल बिरादरी को और मेहता विपिन मोहन जी और मेहता राकेश छिब्बर जी का अभारी हूँ।

इसके साथ–साथ में जनाब अजर सलैरी प्रोटोकाल आफिसर, जनाब भट्टी साहिब, जनाब अजर अब्बास आरगनाईजर इन्चार्ज गुरूद्वारा साहिब जनाब कमर अली बेग साहिब प्रैस रिपोर्ट, एस.पी. तथा डी.सी. चकवाल एवम् पूरी प्रबन्धक कमेटी चकवाल का भी धन्यवादी हूँ।

*–**दर्शनलाल बाली,** जगाधरी वर्कशाप*
मो. 09996193040

बधाई

श्री कुलभूषण छिब्बर और श्रीमती अनीता छिब्बर जी ने 1 फरवरी को अपनी सालगिरह मनाई। उन्होंने 250 रु. मोहयाल सभा यमुनापार और 250 रु. जीएमएस को भेंट किए।

वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई

श्रीमती चन्द्रकान्ता छिब्बर व श्री भाई लक्ष्मणदेव छिब्बर पुत्र भाई दीनानाथ छिब्बर बराड़ा निवासी की 51वीं वैवाहिक वर्षगांठ दिनांक 25 फरवरी 2014 को बड़े ही धूमधाम से इनके निवास पर मनाई गई। परिवार के सभी सदस्यों ने छिब्बर परिवार को बधाई दी। अपनी 51वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर इन्होंने 250 रु. जनरल मोहयाल सभा को व 250 रुपए मोहयाल सभा बराड़ा को दिए। मोहयाल सभा बराड़ा द्वारा इनकी 51वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई।

Donate Generously towards Mohyal Ashram

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा की मासिक बैठक 2 मार्च 2014 को श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 34 भाई बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के बाद!

शोकः रायज़ादा के.एस. बाली ने सभी को बताया कि श्रीमती सुमन दत्ता धर्मपत्नी श्री रमेश दत्ता के बड़े जीजा जी कमलेश मेहता जो आगरा मोहयाल सभा के जनरल सेक्रेटरी हैं उनका निधन 15 फरवरी को हुआ। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और प्रभु से प्रार्थना की कि भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।

रायज़ादा श्री के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई और सभी को 20 अप्रैल 2014 को होने वाले 'टैलेंट शो' के बारे में बताया और सभी से आग्रह किया कि 20 अप्रैल को ज्यादा से ज्यादा बच्चों को लेकर आए और उन्होंने बताया कि 27 मार्च से 30 मार्च 2014 तक मोहयाल यूथ कैंप वृंदावन में लगेगा। सभी भाई–बहन ज्यादा से ज्यादा अच्छे बच्चों को वृंदावन में भेजें। उन्होंने बताया कि 30 मार्च को 12:30 बजे दोपहर में गोर्वधन आश्रम का उद्घाटन होगा। सभी भाई–बहन ज्यादा से ज्यादा गोवर्धन में पहुँचने का कष्ट करें।

रमेश दत्ता जी ने सभी को बताया कि जी.एम.एस. के अजीवन सदस्य के फीस 2100 से 3100 हो जाएँगे, जो भाई–बहन सदस्य बनना चाहते हैं वो मार्च में बनने का कष्ट करें। अप्रैल से 3100 रुपए हो जाएँगे।

इस मौके पर सभा के लिए निम्न राशि एकत्र की गई। नागेन्द्र दत्ता जी ने 200 रु., शिव कुमार बाली ने 150 रु. और जगमोहन छिब्बर ने 100 रु. सहयोग राशि के रूप में दिया।

रमेश दत्ता जी ने बताया कि 27 फरवरी को श्री ओ.पी. दत्ता जी की शादी की सालगिरह है और 18 मार्च को उनका जन्मदिन है। श्रीमती बाला बाली ने भजन गाकर उनको शादी की और जन्मदिन की मुबारकबाद दी। रमेश दत्ता ने सभी की ओर से उनकी दीर्घ आयु की कामना की। इस मौके पर श्री राजेन्द्र मेहता ने योग और आयुर्वेदिक के बारे में सभी को अवगत कराया।

अंत में रमेश दत्ता जी ने सभी आए हुए भाई बहनों को अपना कीमती समय निकालकर आने का धन्यवाद दिया। श्रीमती और श्री ओ.पी. दत्ता जी द्वारा घर में बनाए गए भोजन का आनंद लिया। रमेश दत्ता ने सभी को कहा कि अगली मीटिंग 20 अप्रैल को भवन में ही होगी। सभी भाई–बहन अपने बच्चों को लेकर आएँ क्योंकि 20 अप्रैल को हम लोग बाल–दिवस के रूप में मना रहे हैं।

रमेश दत्ता, *प्रधान*
मो. 9999078425

रायज़ादा के.एस. बाली, *जन.सेक्रेटरी*
मो. 9899068573

अबोहर (पंजाब)

सभा की मासिक बैठक दिनांक 26.02.2014 को मेहता विश्वामित्र भीमवाल (प्रधान) की अध्यक्षता में श्री सुरेन्द्र कुमार वैद जी (पैट्रन) के निवास स्थान भटिंडा, पंजाब में सम्पन्न हुई।

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात मो. सभा की कार्यवाही शुरू हुई। सबसे पहले श्री लारेश वैद सुपुत्र स्व. श्री सोमनाथ वैद एवं स्व. श्रीमती तारावंती वैद (गुजरात खास पं. पाकि.) एवम् श्रीमती सीमा वैद सुपुत्री श्री हुक्मचन्द दत्ता एवं श्रीमती निर्मल दत्ता के सुपुत्र श्री तरुण वैद पुत्र वधु श्रीमती शिखा वैद सुपुत्री श्री अशोक छिब्बर एवं श्रीमती राज छिब्बर (दिल्ली वालों) के घर दिनांक 13.02.2014 को बेटा होने पर सभी मोहयाल बिरादरी ने बहुत–बहुत बधाईयां दी। इस खुशी के अवसर श्रीमती सीमा वैद एवं श्री तारेश वैद ने मोहयाल सभा अबोहर को 251 रु. भेंट किए।

श्री राजीव मेहता एडवोकेट (मो.स. खन्ना के महासचिव) को स्कूल समीति का चुनाव भारी मतों से विजयी होने पर मो.स. अबोहर की बिरादरी ने बहुत–बहुत बधाई दी। श्री सुरेन्द्र कुमार वैद ने सुझाव दिया कि मो.स. अबोहर को चलाने के लिए 120 रु. वार्षिक शुल्क सभा के सभी सदस्यों को देना चाहिए। इस सुझाव को सभी सदस्यों ने स्वीकृति प्रदान की।

सभा की मासिक बैठक शांति पाठ के बाद संपन्न हुई। जलपान व व्यवस्था के लिए वैद परिवार के सभी सदस्यों को सभा ने धन्यवाद किया।

■ मासिक बैठक 04.03.2014 को मैहता श्री शिवकुमार भीमवाल के निवास स्थान मु.पो. सरदारपुरा जीवन जिला श्री गंगानगर (राज.) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। गोरब तलब है कि मेहता श्री शिवकुमार भीमवाल सभा के चीफ पैट्रन प्रथम है।

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात सभा की कार्यवाही शुरू हुई। सभा के सदस्यों ने सबसे पहले स्व. श्री वरिन्द्रपाल सिंह बाली बराड़ा सभा के आकस्मिक निधन होने पर उनकी आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रख परम पिता परमात्मा जी को प्रार्थना की कि श्री वरिन्द्रपाल सिंह बाली को अपने चरणों में जगह दे।

सभा के कुछ सदस्यों ने बताया कि फरवरी 2014 को मोहयाल मित्र 25.02.204 के बाद मिला तथा कुछ सदस्यों को फरवरी माह का मो. मित्र मिला ही नहीं।

मेहता विश्वामित्र भीमवाल प्रधान ने बताया कि श्री योगेश मेहता, कनवैनर तथा सेक्रेटरी यूथ और कल्चरल एफेयर ने फोन द्वारा सूचना दी कि यूथ कैंप 2014 आश्रम विहार कम्पलैक्स वृंदावन में 27.3.2014 से 29.3.2014 तक आदरणीय मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी की छत्र–छाया में लगना है।

सभी सदस्यों ने जालंधर (पंजाब) से आए हुए श्री एस.के. दत्ता का आभार प्रकट किया। श्री एस.के. दत्ता ने भी सभा के सभी सदस्यों को सुचारु रूप से चलाने हेतु बधाई दी। शांति पाठ के साथ सभा संपन्न हुई। सभा आयोजन व जलपान के लिए भीमवाल परिवार को सभी सदस्यों ने धन्यवाद किया।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल बिरादरी से प्रार्थना

जरूरत के समय किसी जरूरतमंद की मदद करना बहुत बड़ी सेवा है। इससे बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं है। बहुत से व्यक्ति समय पड़ने पर किसी न किसी की सहायता को तत्पर रहते हैं। लेकिन आजकल यह देखा गया है वह लोग नेकी कर दरिया में डाल वाली कहावत से बिल्कुल परे हट कर मौके मिलते ही अपनी उस अच्छाई व कार्य को अहसान के रूप में गिनाने लग जाते हैं। ऐसे में अहसान लेने वाले लोगों के लिए बड़ी अजीब सी स्थिति बन जाती है। साथ ही उस व्यक्ति की जो एक अलग ही मूर्त उन्होंने अपने दिमाग में सजा रखी थी उसको भी ठेस पहुँचती है। इसलिए मेरा सबसे निवेदन है कि अपने अच्छे किए काम को कभी भी उस व्यक्ति के बच्चों व रिश्तेदारों में न गिनाएं बल्कि और ज्यादा सहायता के लिए तत्पर रहें।

धन्यवाद! **मैहता विश्वामित्र भीमवाल,** *प्रधान*

मो. 9780160085

जगाधरी वर्कशाप

मोहयाल सभा कि मासिक बैठक 2 मार्च को जगाधरी वर्कशाप सभा के सीनियर वाइस प्रधान श्री नरेश मेहता के वीणा नगर कैंप स्थित निवास पर संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता सभा के प्रधान सतपाल दत्ता ने की। 35 मोहयाल भाई बहनों ने भाग लिया।

बैठक की शुरूआत मोहयाल प्रार्थना से हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों दिलबाग मेहता, अधिवक्ता अशोक बाली, सुभाष मेहता छिब्बर ने मोहयाल सभा के विभिन्न कार्यक्रमों एवं उद्देश्यों के लिए फण्ड जेनरेट करने का सुझाव दिया गया जिसका अन्य सदस्यों ने स्वागत किया। सभा के महासचिव सुरेंदर मेहता छिब्बर ने उपस्थित सभी सदस्यों का आह्वान किया कि बैठक में मौजूद सभी सदस्य दो दो और सदस्यों को सभा के साथ जोड़ेंगे और अपने–अपने इलाके में इसके लिए कार्य करेंगे। बैठक में भाई मतिदास जी का शहीदी दिवस एवं मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशॉप का स्थापना दिवस 6 अप्रैल को भाई मतिदास गुरुद्वारा बुडिया में मनाने का सरदार बूंदा सिंह मेहता का अनुरोध स्वीकार करते हुए सभी ने अपनी सहमति दी।

अंत में इस बैठक के आयोजक श्री नरेश मेहता ने आए हुए मोहयाल भाइयों और बहनों का धन्यवाद करते हुए उन्हें जलपान करवाया।

दुःखद समाचारः जगाधरी वर्कशाप मोहयाल सभा के सचिव सतपाल बाली कि माता एवं स्वर्गीय कृष्णलाल बाली कि पत्नी एवं लुधियाना मोहयाल सभा के शाम सुन्दर छिब्बर कि सास श्रीमती कमला बाली का आकस्मिक निधन होने की सूचना मिलने पर मोहयाल सभा यमुनानगर के प्रधान विपिन मोहन, जगाधरी वर्कशाप सभा के पूर्व प्रधान दर्शनलाल बाली, पूर्व सचिव नन्दलाल भीमवाल सहित भारी संख्या में बिरादरी के लोग एवं रिश्तेदार उनके संस्कार के समय उपस्थित हुए।

सतपाल दत्ता, *प्रधान* **सुरेंदर मेहता छिब्बर,** *महासचिव*

मो. 9355310880

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 2 मार्च 2014 को श्री विजय मेहता के हुड्डा स्थित निवास स्थान पर प्रधान श्री कैलाश वैद की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री महामंत्र के उच्चारण के पश्चात जनरल मोहयाल सभा द्वारा मोहयाल आश्रम, वृंदावन परिसर में लगाए जा रहे यूथ कैंप पर विस्तृत चर्चा हुई। मौके पर ही इस कैंप में जाने वाले युवाओं के नाम तय किए गए, साथ ही उन्हें इस कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी भी दी गई। उल्लेखनीय है कि 27 मार्च से 30 मार्च तक चलने वाले इस महत्वपूर्ण समारोह में अन्तिम दिन गोर्वधन आश्रम का भी उद्घाटन किया जाएगा। इसी दौरान सदस्यों को कृष्ण नगरी मथुरा तथा ताजमहल की नगरी आगरा में भी ले जाया जाऐगा। युवाओं से यह भी कहा गया कि यदि उनके पास कोई सुझाव या विचार हो तो वह भी इस दौरान प्रकट कर सकते हैं।

श्री नवीन वैद व श्री रजनी वैद के सुपुत्र वंश वैद का 18 फरवरी 2014 को जन्मदिन था, परिवार को इस अवसर पर बधाई दी गई।

मार्च महीने के दौरान दसवीं तथा बारहवीं के सी.बी.एस.ई. तथा राज्य बोर्डों की परीक्षाओं के लिए बच्चों को शुभकामनाएँ दी गई।

महाशिवरात्रि के पर्व पर श्री विजय मेहता व उनका परिवार हर वर्ष की तरह इस बार भी पक्के पुल वाले श्री शिव–पार्वती मन्दिर में सेवा के लिए गए थे, उन्होंने सभी को वहां का प्रसाद भी वितरित किया।

आज की मीटिंग में पानीपत में मोहयाल मेला के आयोजन को लेकर भी चर्चा की गई। सर्वश्री ऋत मोहन, कैलाश वैद, नवीन वैद, प्रवीन वैद, बृजमोहन छिब्बर, जितेन्द्र मेहता इत्यादि ने इस पर अपनी सहमति जताई तथा कहा कि जीएमएस सदस्य श्री ऋत मोहन, प्रधान जी तथा सचिव, जीएमएस प्रधान श्री बी.डी. बाली जी से मिलकर उनसे तारीख ले ले, ताकि इस की तैयारियां आरम्भ की जाएं। श्री वरदान छिब्बर ने एक गीत से सबका मन मोह लिया।

श्री राम प्रकाश मेहता (भिमवाल), की 14 फरवरी 2014 को प्रथम पुण्य तिथि थी, उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। वह श्री नरेन्द्र छिब्बर के ससुर थे।

अन्त में शान्ति पाठ के साथ सभा आरम्भ हुई। सभा आयोजन व जलपान की व्यवस्था के लिए श्रीमती नीलम मेहता व श्री विजय मेहता का धन्यवाद किया गया।

नरेन्द्र छिब्बर, *सचिव*

मो. 08222023131, 09416412184

उत्तमनगर

सभा की मीटिंग दिनांक 2.03.2014 को एफ–30, ओम विहार श्री अविनाश कुमार दत्ता के निवास स्थान में प्रधान श्री आर.के. मोहन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें 22 सदस्यों ने भाग लिया। गायत्री मन्त्र, मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त श्री सुरेन्द्र बक्शी (किरण गार्डन) जी की धर्मपत्नि श्रीमती ऊषा बक्शी जी की दिनांक 1.2. 2014 को देहांत हो गया सभा की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

गई। उत्तमनगर सभा की फरवरी माह की मीटिंग इसी कारण स्थगित कर दी गई थी।

प्रचार मंत्री श्री विनीत बक्शी ने सभा को सूचित किया कि वृंदावन युवा मोहयाल कार्यक्रम में भाग लेने के लिए उत्तम नगर से सूचि जीएमएस को भेज दी गई है तथा सदस्य समय पर वृंदावन पहुँच जाएंगे। श्री पी.के. दत्ता द्वारा लिखित पत्र पर विस्तृत चर्चा की गई तथा जीएमएस के मार्गदर्शन पर पूर्णरूप से चलते हुए उत्तमनगर सभा को ऊँचाईयों की ओर ले जाने का संकल्प लिया गया।

जीएमएस के जीवन सदस्य बनने के लिए सभा को प्रेरित किया गया तथा एक बड़ी मीटिंग बुलाने पर भी सहमति हुई (श्री अविनाश कुमार दत्ता तथा श्रीमती रमा दत्ता परिवार को आवभगत के लिए धन्यवाद के साथ मीटिंग सम्पन्न हुई।

दिनांक 6.04.2014 को आगामी मीटिंग श्री अनिल कुमार बाली के निवासस्थान प्लाट नं.2, फ्लैट नं.602, सेक्टर–23, न्यू मिलेनियम अपार्टमेंट द्वारका में होनी तय की गई।

–आर.के. मोहन, *प्रधान*

सिरसा

आज दिनांक 9.02.2014 को मोहयाल सभा का आयोजन श्री पुनेश वैद के आवास पर किया गया, जिसमें करीब 15 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा में एफीलीएश फार्म भरा गया तथा नियुक्त किए गए सभा सदस्यों के नाम फार्म तथा फीस के साथ भेज दिए गए। श्री पुनेश वैद की बच्ची की 10वीं में मैरिट में आने पर बच्ची की बुआ श्रीमती सीमा छिब्बर ने 100 रुपए जीएमएस को भेंट किए।

शोक समाचारः विनोद कुमार मेहता (छिब्बर) के पिता जी का निधन (सूरजप्रकाश मेहता) 22 जनवरी 2014 निवासी शामपुरा, मौहल्ला यमुनानगर का हो गया। सभी भाई बहनों ने शोक व्यक्त किया तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए अरदास की।

सभा में अमित वैद को ज्वाइंट सेक्रेटरी तथा प्रवेश वैद को कैशियर नियुक्त किया गया। सभी भाई बहनों ने अपने अपने विचार रखे। चाय–पान का आयोजन श्री पुनेश वैद ने किया, सभी ने उनका धन्यवाद किया।

–मदनलाल छिब्बर, *प्रधान*
मो. 8570994004

पांवटा साहिब

सभा की बैठक 9.02.204 को श्री सूरजप्रकाश बाली, प्रधान की अध्यक्षता में निवास स्थान श्री ज्ञानचन्द बाली, 42 हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर हिं.प्र. में हुई, जिसमें 21 मोहयाल सदस्यों ने भाग लिया। गायत्री मंत्र व मोहयाल प्रार्थना के साथ सभा की कार्यवाही शुरू की गई। पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की।

शुभ समाचारः श्री मुनीश वैद व श्रीमती शालू वैद जी की बेटी नियती वैद का जन्म दिवस 14.02.2014 को है। इस उपलक्ष में उन्होंने 250 रु. जीएमएस को भेंट किए। बेबी नियती वैद के जन्मदिवस पर सभी ने अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व मुबारकबाद दी।

श्री कृष्णलाल छिब्बर व श्रीमती राज रानी ने अपने बड़े बेटे श्री अरूण छिब्बर व श्रीमती रीतू छिब्बर की शादी की 26वीं सालगिरह जोकि 7.02.2014 को थी के शुभ अवसर पर 250 रु. मोहयाल सभा पांवटा साहिब को भेंट किए।

सभा के सदस्यों को बताया गया कि मोहयाल सभा पांवटा साहिब को पंजीकृत (रजिस्टर्ड) करवा लिया गया है व केनरा बैंक पांवटा साहिब शाखा में मोहयाल सभा के नाम से एकांउट भी खुलवा लिया गया है। सभा पंजीकृति की व बैंक एकाउंट की फोटोकापी जीएमएस को सूचनार्थ भेजी जा रही है। सदस्यों को बताया कि रायज़ादा बी. डी. बाली जी के नेतृत्व में इस वर्ष ''यूथ कैंप'' का आयोजन वृंदावन में 27 से 29 मार्च को हो रहा है। इसमें भाग लेने के इच्छुक युवाओं को शीघ्र ही अपने नाम की सूची देने को कहा गया ताकि समय पर जीएमएस को सूचित किया जा सके।

उपस्थित सभी महिलाओं ने किट्टी शुरू करने का निर्णय लिया जोकि मासिक मीटिंग वाले दिन ही निकाली जाएगी। मीटिंग में उपस्थित बच्चों के मनोरंजन के लिए भी कुछ खेल व सामान्य ज्ञान के कार्यक्रम को भी शामिल करने का निर्णय लिया गया।

अगली मीटिंग 9.03.2014 रविवार को श्री चन्द्र दत्ता, मै. रीटीका फूडस, बांगरन रोड, बेहड़े वाला, पांवटा साहिब में सायं 3 बजे निश्चित की गई व सभी सदस्यों को समय पर पहुँचने का अनुरोध किया गया। प्रधान जी ने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया व श्रीमती एवं श्री ज्ञान चन्द बाली जी को चाय पान के लिए धन्यवाद किया। शांति पाठ के साथ सभा का समापन किया गया।

–सूरज प्रकाश बाली, *प्रधान*

बराड़ा

मोहयाल सभा की मासिक बैठक 2 मार्च, 2014 को भाई लक्ष्मणदेव छिब्बर जी के निवास स्थान पर हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ सभी की कार्यवाही शुरू की गई। सर्वप्रथम पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई व सभी ने अपनी सहमति प्रदान की।

सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने भाई लक्ष्मण देव छिब्बर जी के उनकी 51वीं वैवाहिक वर्षगांठ जोकि 25 फरवरी 2014 को थी पर उनको हार्दिक बधाई दी। साथ ही सभी सदस्यों ने भाई लक्ष्मण देव छिब्बर जी को जलपान का धन्यवाद किया।

–रविन्द्र कुमार छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 09466213488

अंबाला कैंट

आज दिनांक 2.03.2014 को सभा की बैठक निवास स्थान श्री एम. एल. दत्ता, श्री इंद्रराज छिब्बर, प्रधान की अध्यक्षता में हुई, जिसमें 16 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद कार्यवाही शुरू की।

स्वर्ग सिधारे निम्नलिखित मोहयाल भाई बहनों की पवित्र आत्मा की शांति के लिए, दो मिनट का मौन रखकर परमात्मा से प्रार्थना की गई।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

(क) श्रीमती राज रानी दत्ता धर्मपत्नी स्व. श्री बुलंद इकबाल दत्ता निवासी गाँव बब्याल का देहांत 30 जनवरी 2014 को तथा रस्म पगड़ी 9.02.2014 को हुई। दत्ता परिवार ने लोकल सभा को इस अवसर पर 250 रु. भेंट किए।

(ख) श्री विवेक मेहता पुत्र स्व. श्री गुलशन राय मेहता छिब्बर निवासी सैक्टर–5, द्वारका दिल्ली में 21.02.2014 को स्वर्ग सिधार गए। वह केवल 43 वर्ष के थे। क्रिया पगड़ी रसम 24.2.2014 को संपन्न हुई। वह एम.एल. दत्ता महासचिव अंबाला कैंट के नजदीकी रिश्तेदार थे।

प्रधान जी ने मोहयाल भाई बहनों को जिनके जन्मदिन, विवाह व शादी वर्षगांठ फरवरी महीने में पड़ती है मुबारकबाद दी।

महासचिव एम.एल. दत्ता जी ने पिछले महीने की मोहयाल मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा इसका अनुमोदन हुआ।

शुभ समाचारः श्री नरेश वैद (पूर्व प्रधान) जी ने सभा सदस्यों को बताया कि उनकी बेटी स्वाति की शादी, चेतन दत्ता निवासी दिल्ली के साथ 4.02.2014 को संपन्न हुई। सब सदस्यों ने नवविवाहित जोड़ी के लिए शुभकामनाएं दी तथा वैद परिवार को बधाई दी, इस अवसर पर श्री नरेश वैद जी ने जीएमएस को 501 रु. तथा लोकल सभा को 251 रु. भेंट किए।

प्रधान जी ने जितलाया कि बढ़ती महंगाई के कारण कोई भी काम पैसे के बिना नहीं होता, संस्थाओं के खर्चे बढ़ गए हैं, इसलिए सभा की वार्षिक सदस्यता 120 रु. से बढ़ा कर 200 रु. तथा कॉलेज विद्यार्थीयों की वार्षिक शुल्क 60 रु. से 100 रु. कर दिया गया है।

श्री आर.के.सी. दत्ता जी ने सदन में सभा का 2013–14 का लेखा जोखा फरवरी 2014 तक कुछ त्रुटियों समेत पेश किया, जिसे प्रधान जी ने जिम्मेदार आफिस बीरराज को तुरंत सुधारने के निर्देश दिए। साथ ही सभा की बैंक एफडी 18.03.2014 को मैचुर होने पर इसे दोबारा तीन साल के लिए फिक्स करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त सचिव फाइनेंस को निर्देश दिए कि दो हज़ार से ऊपर की रकम तुरंत बैंक एकाउंट में जमा कर दें।

आर्थिक सहायताः एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता ने सदन को अवगत कराया कि विधवा श्रीमती संतोष बक्शी छिब्बर, वृद्धावस्था में बीमार चल रही है आर्थिक स्थिति कमजोर है। दवाइयों के सहारे जीवन व्यतीत कर रही है। डॉ. एम.के. दत्ता ने उसे तुरंत गाल वलेउर अप्रेशन की राय दी है। तुरंत आर्थिक सहायता के लिए अनुरोध पत्र दिया है। सर्वसम्मिति से राय बनी कि लोकल सभा से 5000 रु. की सहायता की जाए, सचिव ने उसी समय चैक काट के उसे देने के लिए तैयार कर लिया। एक पत्र जीएमएस को आर्थिक सहायता के लिए 18.02.2014 को भेज दी गई है तथा जी.एम.एस. से लगातार संपर्क में हैं।

दान राशिः लोकल सभा के लिए–सर्वश्री पी.आ. मेहता, एम.एल. दत्ता, आई.आर. छिब्बर, एम.के. वैद, दीपक दत्ता, एस.के. मेहता प्रत्येक ने 500 रु., आर.के.सी. दत्ता 300 रु., सू. के.एल. मेहता 100 रु., श्रीमती अनीता दत्ता 200 रु., नरेश वैद 351 रु. डी.वी. बाली 200 रु., धर्मेन्द्र वैद 100 रु., पूनम बाली 100 रु.।

जीएमएस के लिए–श्री नरेश वैद 501 रु., श्री धर्मवीर बाली 100 रु. दिए। सदन ने सबका धन्यवाद किया तथा अगली मीटिंग सुभाष पार्क में होने की सूचना दी। प्रधान जी ने दत्ता परिवार का भव्य स्वागत व चाय नाश्ते के लिए धन्यवाद करते हुए सभा मीटिंग समाप्त हुई।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* — ***एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
मो. 0171–2660305 — *मो. 9896102843*

प्रेमनगर–देहरादून

सभा की बैठक 2 मार्च 2014 को निवास स्थान श्री राजेश बाली सचिव, विंग 3/18/4, प्रेमनगर, श्री डी.एन. दत्ता प्रधान की अध्यक्षता में 16 भाई बहनों ने भाग लिया।

मोहयाल प्रार्थना के पश्चात बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गई। श्री राजेश बाली सचिव ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा श्री जे.एस. दत्ता, कोषाध्यक्ष ने आय–व्यय का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया, सभी ने इसका अनुमोदन किया।

शोक प्रस्तावः सभा की ओर से श्री डी.एन. दत्ता के भांजे श्री गिरीश बख्शी पुत्र श्री जी.एम. बक्शी बड़ौदा निवासी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

श्री रमेश कुमार दत्ता जी द्वारा तीन जरूरतमंद महिलाओं क्रमशः श्रीमती विद्यावन्ती बाली, श्रीमती बलबीर कौर दत्ता एवं श्रीमती माधवी दत्ता को तीन महीने का 750 रुपए के चैक प्रदान किए।

वैशाखी मेले के बारे में चर्चा की गयी तथा श्री रमेश कुमार दत्ता, श्री डी.एन. दत्ता, प्रवेश कुमार दत्ता एवं श्री राजेश बाली ने माल देवता जाकर वैशाखी मेले के लिए स्थान का चयन किया।

श्री रमेश कुमार दत्ता जी ने सुझाव दिया कि प्रेमनगर में जरूरतमंद मोहयाल बालिकाओं के विवाह के लिए एक कोष बनाया जाए, जिसका सभी ने स्वागत किया। श्री रमेश दत्ता जी ने स्वयं 1100 रुपए तथा श्री राजेश बाली ने 500 रुपए प्रदान कर इस कोष का शुभारम्भ किया।

श्री रमेश कुमार दत्ता जी ने सभा के अन्त में हमेशा की तरह एक भजन गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्री मनमोहन बाली ने अपनी बहिन स्नेह लता दत्ता के निधन पर 500 रु. लोकल सभा को भेंट स्वरूप प्रदान किए।

सभी सदस्यों ने एवं प्रधान श्री डी.एन. दत्ता ने श्री राजेश बाली को जलपान की व्यवस्था करने पर धन्यवाद दिया गया। सभा की अगली मीटिंग श्री मनमोहन बाली के निवास स्थान पर दिनांक 6 अप्रैल 2014 को होगी।

–राजेश बाली, *सचिव*
मो. 9758135583

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर

स्त्री मोहयाल सभा की मासिक बैठक 4.02.2014 को तारावन्ती वैद के निवास स्थान पर गायत्री मंत्र के साथ शुरु हुई, सभा में सभी बहनों ने भाग लिया, सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की।

सभा में नए सदस्य बनाए गए। सभा में सभी बहनो ने अनुरोध किया

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

कि जनरल मोहयाल सभा के आजीवन सदस्य बने। सभा में श्रीमती रेणु छिब्बर, श्रीमती सुनीता दत्ता, श्रीमती सूरज वैद, श्रीमती भगीरथी बाली और श्रीमती सुरक्षा मेहता ने अपने विचार रखे।

बैठक में सभी बहनों ने श्रीमती तारावंती वैद के दोहते की शादी होने पर मुबारकबाद दी। स्त्री मोहयाल सभा यमुनागर ने स्थापना दिवस के उपलक्ष में जीएमएस को 1100 रु. दान दिए।

श्रीमती तारावंती वैद ने अपने दोहते की शादी पर 250 रु. स्त्री सभा यमुनानगर को दान दिए, भगवान उनकी खुशियां बनाए रखे।

ओम प्रकाश मेहता के पोते (अनु मेहता) पुत्र श्री संजीव मेहता और ज्योति मेहता (फरीदाबाद वाले) पढ़ाई के लिए कनाडा जाने की खुशी में 2100 रुपए स्त्री सभा यमुनानगर को दान दिए, भगवान उसकी दीर्घायु करे।

शांति पाठ के साथ मीटिंग की समाप्ति हुई।

–श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*
फोनः 01732–226799

श्रीमती प्रेम दत्ता का निधन

आप सबको बड़े हृदय से सूचित किया जाता है कि मेरी पत्नी श्रीमती प्रेम दत्ता 26.01.2014 को सुबह 10:31 बजे स्वर्ग सिधार गई है। (पत्नी श्री कुलभूषण लाल दत्ता)।

दत्ता परिवार कंजरूड़ के रहने वाले थे जिनको बाहर वाली हवेली वाले कहते थे। आजकल पंज पीर जालंधर शहर में रहते हैं। इनके तीन लड़के–सुरिन्द्र कुमार दत्ता, नारिन्द्र दत्ता (प्रेस सचिव), रमेश दत्ता। लड़कियां– रंजना व अन्नु पोता।

इस अवसर पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 100 रु. मोहयाल सभा और 151 रुपए मोहयाल आश्रम को भेंट किए।

स्व. श्री नरेन्द्र बक्शी को श्रद्धा-सुमन

मेरे छोटे भाई नरेन्द्र बक्शी का देहांत 4 अक्टूबर 2013 को कोलकाता के नर्सिंग होम में हुआ। मैं अपनी छोटी बहन वीना के साथ रात 12 बजे कोलकाता पहुँचा, इसमें मेरा दुर्भाग्य ही समझिए कि मैं देर से पहुँचा। वे पिता स्वर्गीय जगदीश लाल व माता शकुन्तला के 5वें पुत्र थे। उनका विवाह बक्शी सतपाल वैद जी की पुत्री सुमन से हुआ। वे अपने पीछे सुमन (पत्नी) शिव, सुमीत (पुत्र), तानियाँ, राखी (पुत्र वधु), अर्जुन, सिमरन, जाहनवी, कर्ण (पाते–पोतियां), अनीता (सुपुत्री) विशाल दत्ता (दामाद) महक, रोहण (नाती) को छोड़ गए। हम सात भाई व तीन बहिनें हैं उनकी कमी हमेशा खलती रहेगी जो कभी भी पूरी नहीं हो सकती।

मेरा उनके साथ 40 साल रहने का संयोग बना। मैंने उन्हें इतने लंबे समय में बड़ा शांत व कर्मयोगी पाया। उन्हें हमेशा अपने कर्त्तव्य की प्रति सजग पाया। ये उनके कर्मयोगी होने का परिणाम था कि 1972 में Suman Exchange Auction House बनाने में वे सफल रहे। वे मेरे हर काम सहायक रहे। मैंने जब 2004 में लुधियाना में रहने का प्रोग्राम बनाया तो वे बहुत भावुक हो गए। खैर उनकी इस जुदाई को मैं हमेशा याद करता रहूँगा। लेकिन ईश्वर के आगे आदमी लाचार है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि ऐसी पवित्र आत्मा को शांति प्रदान करे।

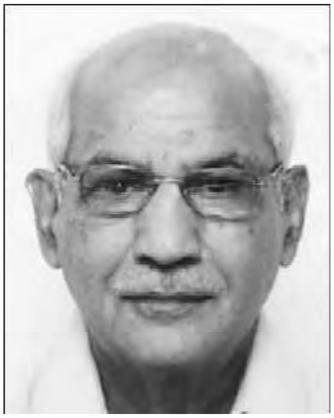

मैं उस घटना को कभी भी भुला नहीं पाऊँगा कि जब हमारे मामा जी प्राणनाथ जी ने उन्हें भीगी आंखों से श्रद्धांजलि दी। मुझे जब भी उसकी याद आती है तो मेरे दिल की धड़कन बढ़ जाती है।

राजेन्द्र बक्शी (बड़ा भाई) बक्शी परिवार ने उनकी याद में 500 रुपए मोहयाल आश्रम फंड हरिद्वार में दान दिया।

–सुमनस एक्सचेंज, 2/1 रसेल स्ट्रीट, कोलकाता, मो. 09831142848

भारत के वीर मोहयाल को श्रद्धांजलि

श्री खुशभाष राय छिब्बर (डी.एस.पी.-बीएसएफ)

(1944–2014)

नेक, मेहनती व ईमानदार माता श्री विद्यावंती जी मेहता, व श्री दिलशाद राय छिब्बर के बड़े सुपुत्र थे, जिनका जन्म पाकिस्तान खरियां गांव में 1944 में हुआ। 18 साल की उम्र में श्री केदारनाथ छिब्बर, जो (गर्वनर ले. जन. बी. के.एन छिब्बर (पंजाब) के बड़े भाई साहब हैं। उन्होंने पी.ए.पी. में भर्ती करवाया, एक सिपाही से एस्टेंट कमांडर बनकर बी.एस.एफ. से रिटायर होकर 57 साल की आयु तक विभिन्न बार्डरों पर भारतीय सेना का मान बढ़ाया, 1965, 1971, और आरवीर में करगिल की लड़ाई में भाग लिया। कश्मीर, लेह–लदाख, बाघा बार्डर अमृतसर, माधोपुर, जोधपुर, इन्दौर और जैसलमेर जैसे रेतीले व गर्म स्थानों पर तैनात रहे।

अन्त में अजनाल बार्डर से रिटायर हो अपने गृह स्थान (पंजाब) खन्ना में सन् 2001 में आकर, घर–घर गांव–गांव घूम कर अपने भाई जो बुआ जी के पुत्र श्री रामप्रकाश दत्ता हैं को साथ लेकर मोहयाल सभा की नींव रखी और श्री विनोद दत्ता जी (सुपर मिल्क वाले) को प्रधान बनाकर, मोहयालों का व अपने खन्ना शहर का नाम ऊँचा किया।

इनके दो सुपुत्र हैं बड़े अमितराय (एमएससी) स्कूल टीचर हैं व शाम

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

को एकैडमी चलाते हैं उनकी पत्नी श्रीमती हरसिमरन कौर भी उनका पूरा साथ दे रही हैं। इनका एक बेटा मनन राय अभी 5 साल का है। छोटा बेटा सुमितराय (सी.ए) कोटक महेन्द्रा बैंक में एसोसिएट वाईस प्रेसीडेंट पद पर चंडीगढ़ से मुम्बई शिफ्ट हो गया है–इनकी पत्नी श्रीमती रीचा राय एक समझदार बहू है, इनके दो बेटे–आदित्य राय 7 वर्ष और अयान राय 2 वर्ष के हैं।

श्री खुशभाष राय छिब्बर की पत्नी श्रीमती कमलेश रानी छिब्बर ने अपने पति का पूरा साथ देकर अपने बच्चों व परिवार वालों का पूरा ध्यान रखा। अंत में इस बीर सिपाही ने चण्डीगढ़ में मैक्स हास्पिटल मोहाली में लीवर में खराबी होने के कारण अपने अन्तिम सांस ली, मगर घबराए नहीं होंठों पर वही मुस्कराहट थी। अलविदा शेरे पंजाब, प्रभु आपको अपने चरणों में स्थान दें।

श्री रामप्रकाश मेहता जी की प्रथम पुण्य-तिथि

श्री रामप्रकाश मेहता (भीमवाल) सुपुत्र स्व. श्री दौलतराम मेहता तथा स्व. श्रीमती चन्द्रकान्ता मेहता जी की प्रथम पुण्य–तिथि 14 फरवरी 2014 को ए–159, सी–2, शालीमार गार्डन, साहिबाबाद में मनाई गई।

श्री मेहता जी का 27 मार्च 2013 को पूर्णिमा के दिन नरेन्द्र मोहन अस्पताल में निधन हो गया था। सरल व हंसमुख स्वभाव के श्री रामप्रकाश जी अपने क्षेत्र में लाफिंग क्लब चलाने की वजह से जाने जाते थे। उनकी पुण्य–तिथि के मौके पर परिवार ने हवन किया, ब्राह्मणों को भोज कराया।

श्री रामप्रकाश मेहता के परिवार में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कमला मेहता, सुपुत्र श्री हिमांशू मेहता, पुत्रवधु श्रीमती मोनिका मेहता, बेटी श्रीमती अंजू छिब्बर, दामाद श्री नरेन्द्र छिब्बर, भाई सर्वश्री सुभाष चन्द्र, शिव कुमार, प्रवीण कुमार, बहन–श्रीमती सुर्वणा दत्ता, जीजा सर्व तवीशा, दोहते–पवन व सुमिल छिब्बर इत्यादि हैं।

इस अवसर पर श्रीमती कमला मेहता ने रु. 11000 की राशि जीएमएस को हरिद्वार मोहयाल आश्रम में लंगर फंड के लिए भेंट दी। लंगर की तिथि 27 मार्च।–*नरेन्द्र छिब्बर, पानीपत*

28वीं पुण्य-तिथि

स्वर्गीय श्रीमती स्वर्णलता वैद पत्नी कविराज स्वर्गीय श्री खैरातीलाल वैद पुत्र श्री मदनमोहन वैद, गुजरांवाला (पाक) निवासी सी–3, शिवपुरी एक्स. दिल्ली–51 में बड़ी श्रद्धा के साथ उनके परिवार ने उनकी 28वीं पुण्यतिथि 23 फरवरी 2014 को याद किया और भगवान से प्रार्थना करते हुए कहा कि उस पवित्र आत्मा को चिर शांति प्रदान करें। श्रीमती स्वर्णलता वैद धार्मिक विचारों और संस्कारों वाली निडर महिला थीं। वे एक सामाजिक दयालु थी। उनके संपर्क में आने वालों को आशिष देती थीं। जीवन के अनेक उतार–चढाव में कभी भी विचलित नहीं होती थी। उनके पुत्र श्री मदनमोहन वैद ने 200 रुपए जीएमएस के विधवा फंड के लिए और 200 रुपए यमुनापार मोहयाल सभा को भेंट किए।

स्वर्गीय कमलेश मेहता को श्रद्धांजलि

आगरा मोहयाल सभा के स्तम्भ, संस्थापक सर्वप्रिय श्री कमलेश मेहता जी अपने परिवार के प्रिय खैरातीलाल आखिरकार हम सबको छोड़कर इस नाशवान संसार से 15.02.2014 को विदा हो गए। उन्होंने अपने परिवार ही नहीं बल्कि मोहयाल सभा को भी बिलखता छोड़ा, वह अपने परिवार ही नहीं मोहयाल सभा आगरा के भी उतने ही पूज्यनीय, प्रिय, सम्मानित, आदरणीय (मेहता चाचाजी, अंकल जी) थे। जनरल मोहयाल सभा दिल्ली व आगरा के प्रत्येक सदस्य के दिलों में उनका अपना एक उच्च स्थान था तथा सभी के दिलों में उनका वही सम्मान था जो कि एक परिवार के मुखिया का होता है। आगरा मोहयाल सभा उनकी सेवाओं के लिए सदा ऋणी रहेगी। उनकी कमी सदैव आगरा सभा को खलती रहेगी और उनका स्थान कभी भरा नहीं जा सकेगा।

दिनांक 02.03.2014 को अध्यक्ष श्री कामरान जी के निवास पर एक शोक सभा के द्वारा अपने सर्व प्रिय सचिव स्व. श्री मेहता को एक शोक सभा के द्वारा उनके कार्य की भूरि–भूरि प्रशंसा की एवं कभी न भरी जाने वाली क्षति बताया। सभी ने अपने विचारों में उन्हें अपना आदर्श व सही शब्दों में एक पक्का मोहयाल भी बताया व सभी दो मिनट का मौन खड़े होकर अपने सचिव को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पूर्व सभी ने तीन बार गायत्री मंत्र का जाप अपने प्रिय सचिव को समर्पित किया। इनके साथ ही श्रीमती सीमा मेहता पत्नी श्री अशोक मेहता, निवासी अशोक नगर, आगरा को भी अपनी ओर से सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की तथा इन दोनों मोहयालों के लिए प्रभू से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रभु से उनको अपने चरणों में स्थान दें ऐसी प्रार्थना की।

सभा में श्री मदनमोहन मेहता जी के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की गयी।

क्योंकि समय कभी रुकता नहीं है इसलिए सभा में सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा सचिव के पद को भरने हेतु सह–सचिव श्री एस.पी. दत्ता को यह भार संभालने के लिए स्वीकृति प्रदान की। साथ ही अध्यक्ष श्री कामरान जी द्वारा नई कमेटी का चुनाव वर्ष 2014–15 हेतु भी करने का आदेश दिया। क्योंकि श्री कामरान जी स्वयं केन्द्र कार्यकारिणी के सदस्य हैं इसलिए श्री के.के. बख्शी को अध्यक्ष और एस.पी. दत्ता को सचिव, श्री बालकिशन मोहन को उपाध्यक्ष, श्रीमती पूनम मोहन को उपाध्यक्ष महिला सभा, श्रीमती मधु दत्ता को कोषाध्यक्ष, श्री अनिल मेहता (बब्बी) को ऑडीटर व श्री अशोक मेहता जी को आगरा सभा का प्रतिनिधित्व करने हेतु नियुक्त किया गया। जिसको कि सभी उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की।

सभा के अन्त में में श्रीमती बीना बक्शी ने हमेशा की तरह से शांति पाठ तथा जय मोहयाल, जय मोहयाल के नारों के साथ सभा का समापन किया तथा सभी ने श्री कामरान दत्ता जी के परिवार को धन्यवाद दिया। ***–एस.पी. दत्ता,*** *सचिव (मो.) 09897455755)*

Donate Generously towards Mohyal Ashram

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

आदरणीय डॉ. अशोक लव जी,
सम्पादक (हिन्दी)
जय मोहयाल!

मैं अपने पुत्र चि. राकेश छिब्बर पुत्र वधु सौ. डॉ. दिप्पी की पहली विवाह वर्ष गाँठ दिनांक 28.11.2013 एवम् पुत्री श्रीमती अर्चना पति चि. शिवराज दत्ता की तीसरी विवाह वर्षगांठ दिनांक 22.11.2013 के अवसर पर मोहयाल सभा को पाँच सौ रुपए भेंट कर रहा हूँ। इस अवसर पर एक छोटा सा लेख लिखा है।

ममता

प्यार शब्द का उपयोग कहानी किस्सों लेख इत्यादि एवं बोल–चाल की भाषा में दो प्राणियों के बीच के मधुर सम्बन्धों के लिए किया जाता है जैसे कि बाप बेटे या बेटी भाई–बहन, बहन बहन एवं इस प्रकार के अनेक सम्बन्धों के लिए परंतु सिर्फ माँ के साथ बच्चों के मधुर सम्बन्धों के उद्बोधन के लिए **ममता** शब्द सबसे सटीक माना जाता है और ममता शब्द का उपयोग अन्य सम्बन्धों के लिए वर्जित है।

सोनू और उसकी माँ सड़क के किनारे–किनारे अपने अन्य साथियों के साथ अपने पेट की भूख मिटाने चली जा रही थी। सोनू बार–बार कभी माँ के आगे दौड़ कर जाता फिर वापस लौटता कभी पीछे रूक की तेज दौड़ कर माँ के पास आता, माँ के पैरों से लिपट जाता, माँ उस समय थोड़ी देर को रुक जाती और उसे प्यार करती। सोनू की माँ का मन काफी बोझिल था, आज वह बिना इच्छा के साथियों के साथ चली जा रही थी। वह सोच रही थी कि यदि पेट नहीं भरेगा तो सोनू को दूध कैसे पिलाएगी।

सोनू के कल शाम के प्रश्न से वह मन ही मन काफ़ी भयभीत सी थी। पूरी रात वह ठीक से सो नहीं पाई थी। बार–बार उसके जहन में वह प्रश्न कौंध जाता था और प्रश्न के उत्तर को सोच कर उसके रोंगटे खड़े हो जा रहे थे। और वह रो पड़ती थी अनायास उसके मुँह से निकल जाता था कि हे ईश्वर ये दिन दिखाने से पहले मुझे इस दुनिया से उठा लेना।

घर पर सोनू को सभी बहुत प्यार करते थे कभी कोई उसे गोदी में उठकर अन्दर के कमरों में भी ले जाता उसे खाने के लिए बिस्कुट वगैर भी दे देता, घर के छोटे बच्चे तो उसके साथ आँगन में दौड़–दौड़ कर खूब खेलते। बड़ी अम्मा भी कभी–कभी अपनी गोद में बिठा लेती। अफ़सर अली के पापा भी कभी कभार उस पर अपना स्नेह भर हाथ फेर लेते थे।

परिवार वालों का इतना प्यार और स्नेह देख कर सोनू की माँ काफी आश्वस्त थी कि मेरे बाद सोनू को कोई तकलीफ़ नहीं होगी। परन्तु फिर भी मन के कोने में एक भय बना रहता। सोनू जिस दिन इस दुनिया में आया था। वह इस परिवार का महत्वपूर्ण दिन था। क्योंकि अफसर अली की एक ही संतान थी। अफ़सर अली और उसके इकलौते बेटे परवेज़ अली का उस दिन चौथा जन्मदिव था उसी दिन सोनू की माँ ने सोनू को जन्म दिया था। और पूरे परिवार का सोनू से लगाव बढ़ गया था। परवेज़ तो उसके साथ बहुत मस्ती करता और खेलता था।

अफसर अली के दड़बे में बहुत सारे जानवर पलते थे। वह उस क्षेत्र का बकरे और बकरियों के खरीद फरोख्त का बहुत बड़ा व्यापारी था ट्रकों में भर कर जानवर भेजे जाते थे। कल शाम जब ट्रक में जानवर लादे जा रहे थे। उस समय सोनू भी अपनी माँ से ज़िद्द करने लगा। कि मैं भी ट्रक में चढ़ कर शहर घूमने जाऊँगा परन्तु उस अबोध को क्या पता जो ट्रक में जा रहे हैं, वे दुबारा वापस नहीं आते।

सोनू की माँ अन्त में यह सोचने पर मजबूर हो गई कि बकरे की माँ कब तक खैर मनाएगी।*–**प्रदीप कुमार छिब्बर,** प्लैट नं. 480, ज्योति नगर जगाधरी, यमुनानगर, हरियाणा, मो. 7206402640*

ब्यसन

दुनिया में यदि बुराई नहीं होती तो अच्छाई की कौन प्रशंसा करता, भले बुरे का कैसे पता चलता। आप सब जानते हैं कि बुरी आदतों के आगोस में इन्सान जल्दी फंस जाता है और एक बार यदि फंस गया फिर उन बुरी आदतों से छुटकारा पाना बहुत मुश्किल हो जाता है। हमने भी और आपने भी देखा होगा कि जो लोग इन बुराइयों के संगत में आए हैं उनके घरवालों की मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति कितनी गिर जाती है। इसी कड़ी में मैं यह लिखना चाहता हूँ कि धूम्रपान, शराब व नशा करना एवं जुआ खेलना बुरा है क्योंकि धूम्रपान करने वाले से यदि पूछा जाए कि आप धूम्रपान क्यों करते हो तो वे झट से कह देंगे कि सोचने में शक्ति मिलती है, दिमाग को आराम मिलता है। किन्तु मेरे विचार से यह बहम है मिथ्या है और मन को समझाने के लिए केवल झूठी तसल्ली है। वास्तव में धूम्रपान से होंठ खराब होते हैं, उगलियाँ एवं दांत पीले पड़ जाते हैं, मुँह से गंदी बदबू आती है, वातावरण में प्रदूषण फैलता है और डॉक्टर कहते हैं कि स्वास्थ्य हानि के अलावा इससे कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी भी लग जाती है। फिर आजकल की महंगाई के जमाने में धूम्रपान पर बेमतलब का खर्च करना बच्चों के साथ, परिवार के साथ नाइन्साफी है एवम् बेईमानी है।

दूसरी कड़ी शराबियों की है। वास्तव में जो लोग शराब पीते हैं और आप कहेंगे कि शराब क्यों पीते हो तो उनका जवाब होगा कि खुशियाँ मनाने के लिए, गम भुलाने के लिए या बुरा काम करने के लिए। परन्तु आपने कभी यह सोचा कि इससे आपके परिवार का, बच्चों का, माता–पिता, भाई–बहिन एवं औरतों का दुःख कितना अधिक बढ़ जाता है। नाना प्रकार की बीमारी घेरने लगती है। अधिक धन खर्च होने लगता है। परिवार में हमेशा अशांति का वातावरण बना रहता है, कलह होता रहता है। कई खुशहाल परिवार इस बुराई से बरबाद भी हुए हैं। आपने शायद ही कभी यह सुना होगा कि फलां शराबी ने बड़ी उन्नति की है परन्तु अवन्नति के बारे में जरूर सुना होगा। शराबी की पहिचान निम्न श्रेणी के इन्सान के रूप में होने लगती है एवं उसकी संगति भी उसी श्रेणी के लोगों के साथ ज्यादा और अपने परिवार के साथ कम होने लगती है।

तीसरी बुरी आदत जुआ खेलना है। एक बार इसकी आदत पड़ गई तो छुड़ाना आसान नहीं है, धन की हानि तो इससे होती ही है परिवार में भी अशांति फैल जाती है, यहाँ तक कि जुआरी अपनी पूरे महीने की कमाई जुए में हार जाता है तब परिवार वालों को नाना प्रकार के आर्थिक संकट से गुजरना पड़ता है।

आइये इस नए वर्ष के आगमन पर उपरोक्त बुराइयों से छुटकारा पाने का संकल्प लें और "सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः" का वातावरण बनायें।

दोहाः–

बुरे व्यसनों को छोड़िये इसी में है कल्याण।
वर्ना बहुत पछताओगे निकल जाएँगे जब प्राण।।

*–**कैप्टन केएल डोभाल,** जनरल मोहयाल सभा नई दिल्ली*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor